अब कहां दूसरे के दुख से दुखी होने वाले

निदा फ़ाजली

प्रदत्त कार्य-1 : वाद-विवाद

विषय : "वैज्ञानिक उपकरण प्रदूषण का कारक"

उद्देश्य :

- तार्किक व आलोचनात्मक दृष्टि का विकास।
- विचार-विश्लेषण की क्षमता का विकास।
- मंडन एवं खंडन का अभ्यास।
- ज्ञान का विस्तार।
- मंच भय से मुक्ति।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।
2. शिक्षक विद्यार्थियों को वाद-विवाद कला से अवगत करवाते हुए विषय का परिचय दें।
3. संपूर्ण कक्षा को दो वर्गों एक पक्ष दूसरा विपक्ष में बाँटा जाए।
4. चार-चार विद्यार्थियों का एक समूह होगा व एक समूह से एक वक्ता अपने समूह का मत प्रस्तुत करें।
5. तैयारी के लिए 15 मिनट का समय दिया जाए।
6. प्रस्तुति का समय 1.5-2 मिनट का होगा।
7. तैयारी के समय शिक्षक कक्षा में घूम-घूमकर विभिन्न समूहों का निरीक्षण करें।
8. मूल्यांकन का आधार कार्य से पूर्व ही विद्यार्थियों को स्पष्ट कर दिया जाए।
9. एक समूह की प्रस्तुति के समय अध्यापक व अन्य समूह मूल्यांकन का कार्य करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- तार्किक क्षमता
- भाषायी क्षमता
- अभिव्यक्ति व प्रस्तुतीकरण
- उपयुक्त उदाहरणों द्वारा तर्क की पुष्टि

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- मुख्य बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा।
- प्रत्येक वक्ता को प्रोत्साहित किया जाए।
- अच्छे वक्ताओं की प्रस्तुति को मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाए।
- प्रस्तुति, अभिव्यक्ति एवं विषय वस्तु से संबंधित कमियों को शिक्षक दूर करने का प्रयास करें।

प्रदत्त कार्य-2 : नारा लेखन चित्र सहित।

विषय : वृक्षारोपण

उद्देश्य :

- पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता।
- सृजनात्मक क्षमता का विकास।
- कल्पनाशीलता का विकास।
- लेखन, श्रवण व वाचन कौशल का विकास।
- सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास।
- जागरुकता की प्रवृत्ति।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया:

1. सामूहिक कार्य।
2. दो विद्यार्थियों द्वारा मिलकर कार्य किया जाए।
3. सर्वप्रथम शिक्षक किसी अन्य विषय पर नारा सुनाएं जैसे –

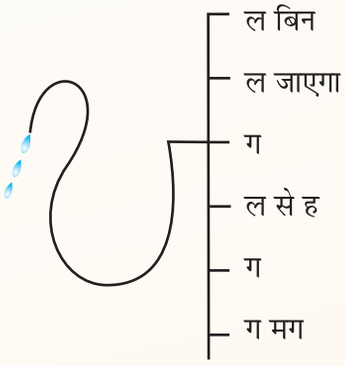

"जल बिन जल जाएगा जग

जल से है जग जगमग"

इसके अतिरिक्त और नारा लिखने के लिए प्रेरित किया जाए।

4. वृक्षारोपण के लिए स्लोगन लिखने व उससे संबंधित कुछ चित्र बनाने का निर्देश छात्रों को दें।
5. इस कार्य के लिए विद्यार्थियों को 10–15 मिनट का समय दिया जाए।
6. इस कार्य को विद्यार्थी एक चार्ट/पृष्ठ पर करें।
7. गतिविधि के दौरान शिक्षक निरीक्षण करें व आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें।
8. नारा वाचन के लिए विद्यार्थियों को एक–एक मिनट का समय दिया जाए।
9. मूल्यांकन के आधार बिंदु कार्य से पूर्व ही विद्यार्थियों को बता दिए जाएंगे।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- भाषा शुद्धता (वाक्य रचना, वर्तनी, विरामचिह्न)
- शब्दों का चयन, तुकबंदी
- स्लोगन की प्रभावशीलता
- प्रस्तुतीकरण (उच्चारण, हाव–भाव)

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- उत्कृष्ट स्लोगन लेखन की प्रशंसा की जाए।
- जो विद्यार्थी स्लोगन नहीं बना पाए उनकी सहायता करना।
- वर्तनी एवं उच्चारण संबंधी अशुद्धियों को अन्य विद्यार्थियों के सहयोग से दूर करना।
- उत्कृष्ट स्लोगन को सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित किया जाए।

प्रदत्त कार्य-3 : परियोजना कार्य

विषय : विलुप्त होती प्रजातियों की समस्या तथा समाधान।

उद्देश्य :

- पशुओं/पक्षियों के प्रति संवेदना उत्पन्न करना।
- पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्वों का आभास करवाना।
- स्वानुभव को शब्दबद्ध करके अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास।
- शब्द भंडार में वृद्धि एवं विचाराभिव्यक्ति का अभ्यास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य/सामूहिक कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक विलुप्त होती प्रजातियों के बारे में कक्षा में चर्चा करेंगे।
3. समस्या के समाधान के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा।
4. कक्षा में कुछ समूह बनाकर भी कार्य करवाया जा सकता है। समूह से एक प्रतिनिधि अपनी बात प्रस्तुत करेगा।
5. मूल्यांकन के आधार को पहले ही स्पष्ट कर दिया जाए।
6. तैयारी हेतु विद्यार्थियों को 10-15 मिनट का समय अवश्य दिया जाए।
7. विद्यार्थियों के विचार-विमर्श के समय शिक्षक प्रत्येक की गतिविधि पर ध्यान रखें।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- वैचारिक स्तर
- भाषा शुद्धता
- आत्मविश्वास (हाव-भाव) प्रस्तुति
- तर्क द्वारा कथन की पुष्टि (समाधान हेतु)

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छे विचारों व प्रस्तुति की सराहना।
- मुख्य बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखा जाए।
- सही समाधान हेतु शिक्षक अपने विचार प्रस्तुत करें।
- कार्य समाप्त होने के पश्चात् ही कमियों को बताकर सुधार हेतु सुझाव दिए जाएं।

प्रदत्त कार्य-4 : सार लेखन

विषय : पाठ का सार लेखन।

उद्देश्य :

- मानवीय मूल्यों का विकास।
- भावुकता एवं संवेदनशीलता का विकास।
- कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास।
- लेखन, वाचन एवं श्रवण कौशल का विकास।
- काव्य विधा के प्रति रुचि जागृत करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।

2. सर्वप्रथम शिक्षक कोई कविता (परोपकार से संबंधित) कक्षा में सुनाएं।

3. कार्य से संबंधित संपूर्ण जानकारी विद्यार्थियों को विस्तार से दी जाएगी।

5. मूल्यांकन के आधार पहले ही स्पष्ट कर दिए जाएं।

6. कक्षा को कुछ समूहों में विभक्त किया जाए। प्रत्येक समूह से एक प्रतिभागी स्वरचित कविता–पाठ करेगा।

7. शिक्षक चाहे तो कविता से जुड़े कुछ शब्द श्यामपट्ट पर लिख सकते हैं।

8. कविता लेखन हेतु विद्यार्थियों को 10–15 मिनट का समय अवश्य दें।

9. इस समय शिक्षक आवश्यकतानुसार सभी विद्यार्थियों को सहायता दें। उदाहरणस्वरूप श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखे जा सकते हैं –

बलिदान, स्वभाव, दया, कष्ट, फल, त्याग, सहयोग, संतोष, जीवन, अमर, अनाज, मृत्यु, मनुष्य, जीवन, मनुष्य, नदी, धर्म, वृक्ष, जल, ईश्वर, शरण, साधु, भूमि, शक्ति

नोट – अन्य शब्द भी दिए जा सकते हैं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- मौलिकता/कल्पनाशीलता
- शब्द चयन
- उच्चारण की शुद्धता
- प्रस्तुतीकरण

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- प्रभावशाली रचना की सराहना एवं उसकी विद्यालय के मंच पर प्रस्तुति।
- औसत प्रस्तुतियों को अच्छा बनाने की प्रेरणा/प्रोत्साहन।
- अधूरे कार्य को पूरा करने हेतु सुझाव व अतिरिक्त समय दिया जाए।

प्रदत्त कार्य-5 : अनुच्छेद लेखन चित्र के आधार पर।

विषय : 'प्राकृतिक आपदाएं और हम'

उद्देश्य :

- प्रकृति व पर्यावरण के प्रति जागरुकता उत्पन्न करना।
- चिंतन मनन की प्रवृत्ति का विकास।
- ज्ञान का विस्तार।
- कल्पनाशीलता व रचनात्मकता का विकास।

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक द्वारा पाठ को पढ़ाया जाएगा व उसके पश्चात् इस चित्र को प्रपत्र के रूप में बांटा जाएगा।

3. विद्यार्थी चित्र पर आधारित पर्यावरण के असंतुलन से संबंधित व उसके कारणों को स्पष्ट करते हुए अनुच्छेद लिखेंगे।
4. मूल्यांकन का आधार पहले से ही स्पष्ट कर दिया जाए।
5. विद्यार्थियों को लेखन के लिए 10 मिनट का समय दिया जाए।
6. जब विद्यार्थी कार्य करेंगे तब शिक्षक घूम-घूमकर निरीक्षण करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- भाषा शुद्धता
- शब्दों का चयन
- क्रमबद्धता व सुसंबद्धता

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- शिक्षक ध्यान दें कि सभी विद्यार्थी चित्र को ही आधार बनाकर अपना अनुच्छेद लिखें।
- अनुच्छेद में क्रमबद्धता व सुबद्धता होनी आवश्यक है।
- सामान्य अशुद्धियों का निवारण किया जाए।
- विद्यार्थियों को एक दूसरे के कार्य को मूल्यांकन करने के लिए दिया जाए।